24 बच्चों की मौत के मामले में कार्रवाई तेज, पहले से 9 आरोपी जेल में बंद, जांच में डॉक्टरों, खंगाली जा रही मेडिकल स्टोर और कंपनी की भूमिका

कफ सिरप कांड में SIT का शिकंजा और कसा, दो डॉक्टर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

जहरीले कफ सिरप से 24 मासूम बच्चों की मौत के मामले में गठित विशेष जांच दल (SIT) लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में टीम ने छिंदवाड़ा जिले से दो और डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है।

बताया जा रहा है कि इन डॉक्टरों ने बच्चों को वही संदिग्ध कफ सिरप लिखकर दिया था, जिसके सेवन के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ी और कई की जान चली गई। इस ताजा कार्रवाई के बाद मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या और बढ़ गई है। इससे पहले इस केस में नौ आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं।

पुलिस और SIT की टीम पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हुई और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही।

बच्चों की मौत से मचा था हड़कंप

छिंदवाड़ा और आसपास के इलाकों में कुछ समय पहले कई छोटे बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ने और मौत होने की घटनाएं सामने आई थीं। शुरुआत में इसे सामान्य बीमारी माना गया, लेकिन जब मौतों की संख्या बढ़ने लगी तो स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन सतर्क हुआ। जांच के दौरान सामने आया कि बच्चों को सर्दी-खांसी के इलाज के लिए एक विशेष कफ सिरप दिया गया था।

डॉक्टरों की भूमिका की जांच

SIT की जांच में यह भी सामने आया कि कुछ डॉक्टरों द्वारा बच्चों को वही विवादित कफ सिरप लिखकर दिया जा रहा था। इसी आधार पर जांच टीम ने सबूत जुटाए और अब दो डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, इन डॉक्टरों से पूछताछ में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उन्हें इस दवा के बारे में क्या जानकारी थी और क्या वे किसी प्रकार के दबाव या लालच में आकर यह दवा लिख रहे थे। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि कहीं दवा कंपनियों और डॉक्टरों के बीच किसी प्रकार का आर्थिक लेन-देन या कमीशन का मामला तो नहीं था।

परिजनों में आक्रोश

दूसरी ओर, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उनमें अभी भी गहरा आक्रोश और दुख है। परिजनों का कहना है कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने भी इस मामले में पारदर्शी जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की है। जांच अभी जारी **SIT** का कहना है कि यह मामला बेहद गंभीर है और इसकी हर पहलू से जांच की जा रही है। अभी भी कई लोगों से पूछताछ की जा रही है और आने वाले दिनों में कुछ और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।जांच टीम का मानना है कि इस पूरे मामले की कड़ियां कई स्तरों से जुड़ी हुई हैं। इसलिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके।

पहले भी हो चुकी हैं कई गिरफ्तारियां

इस मामले में इससे पहले भी कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें डॉक्टर, मेडिकल स्टोर संचालक, फार्मा कंपनी से जुड़े कर्मचारी और अन्य लोग शामिल हैं। पुलिस के अनुसार अब तक नौ आरोपी जेल में हैं और उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जांच में जैसे-जैसे नए तथ्य सामने आ रहे हैं, वैसे-वैसे कार्रवाई का दायरा भी बढ़ता जा रहा है। **SIT** का कहना है कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह किसी भी स्तर का व्यक्ति क्यों न हो।फार्मा कंपनी भी जांच के घेरे मेंजांच में यह बात भी सामने आई है कि जिस कफ सिरप का सेवन बच्चों ने किया था, वह एक निजी फार्मा कंपनी द्वारा बनाया गया था। आशंका जताई जा रही है कि दवा के निर्माण में घटिया या जहरीले रसायन का उपयोग किया गया, जिसकी वजह से यह दवा खतरनाक साबित हुई। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच एजेंसियां कंपनी के उत्पादन, गुणवत्ता परीक्षण और सप्लाई चेन की भी जांच कर रही हैं। संबंधित दस्तावेजों और रिकॉर्ड को खंगाला जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि दवा बाजार में कैसे पहुंची।

सरकार ने उठाए सख्त कदम

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने भी सख्त कदम उठाए हैं। संदिग्ध कफ सिरप की बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी गई है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदेशभर में दवाओं की गुणवत्ता की जांच अभियान चलाया जाए।इसके अलावा प्रशासन ने मेडिकल स्टोरों और अस्पतालों में दवाओं के उपयोग को लेकर भी निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों का कहना है कि यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में दिया नारी सशक्तिकरण का संदेश

दमुआ। शासकीय महाविद्यालय दमुआ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में नारी सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करना था।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज की नारी शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति और सामाजिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी समाज की प्रगति और सशक्तिकरण का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाज में समानता एवं सम्मान का वातावरण बनाने के लिए प्रेरित किया।महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रश्मि दास ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिक्षा के माध्यम से ही महिलाएं अपने अधिकारों को पहचानकर समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।कार्यक्रम का मंच संचालन जितेंद्र दिवाकर द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. राजेश कुमार लोखंडे, डॉ. सरिता पाल, डॉ. विमल कुमार कौशले, डॉ. विनिता धुर्वे, डॉ. पुष्पा मौर्य, नीरज कुमार सल्लाम, राजकुमार कुशवाहा, वैभव पाटिल, कंचन चंद्रवंशी, इंद्रा पाटिल, गोरी शंकर घोरे, मोरेश्वर कराड़े, संदीप चंदेल, महेश भारती, सुखमन भारती, ढोंढू तेकाम तथा समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ. रश्मि नेमा को "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" पर आयुर्वेद गुरु पुरस्कार

छिंदवाड़ा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में छिंदवाड़ा की आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि नेमा को "आयुर्वेद गुरु पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्त्री एवं प्रसूति विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) भारती कुमार मंगलम के कर-कमलों से प्रदान किया गया।डॉ. नेमा ने छिंदवाड़ा एवं जयपुर में अब तक 104 निःसंतान दंपतियों का सफल उपचार कर सरकार के "सुप्रजा अभियान" को नई दिशा और गति प्रदान की है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्त्री एवं प्रसूति विभाग में एक महत्वपूर्ण शोध पत्र भी प्रस्तुत किया, जिसे उल्लेखनीय माना जा रहा है।इस उपलब्धि पर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों, आयुष विभाग के प्रतिनिधियों तथा चिकित्सा समुदाय ने उन्हें बधाई दी।इस अवसर पर डॉ. रश्मि नेमा ने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि जनकल्याण की जीवनशैली है, जिसे राष्ट्रीय अभियानों से जोड़कर देश को रोगमुक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

तामिया के जंगलों में रेत माफिया का आतंक, चेक डैम तक खोद डाली रेत, रोज उठ रहे सवाल, कार्यवाही शून्य

कुआं बादला सर्कल की नदियों में वर्षों से अवैध उत्खनन, नाकेदारों और डिप्टी रेंजर की मौजूदगी में चल रहा खेल, जंगल के भीतर दो किलोमीटर तक खोदी गई नदी, बड़ा सवाल सिर्फ यही निकम्मे कर्मचारियों की विभागीय जांच कर बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया (बाबा ठाकुर)

छिंदवाड़ा जिले के पश्चिम वन मंडल की तामिया रेंज एक बार फिर अवैध रेत उत्खनन को लेकर सुर्खियों में है। आरोप है कि कुआं बादला सर्कल में वर्षों से रेत माफिया खुलेआम जंगल के भीतर नदियों और चेक डैमों से रेत निकाल रहे हैं, लेकिन वन विभाग की कार्रवाई अब तक शून्य ही रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सब नाकेदारों और डिप्टी रेंजर की मौजूदगी में "मंथली सिस्टम" के जरिए चल रहा है, जिससे रेत माफिया के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे वन क्षेत्र के अंदर तक घुसकर प्रकृति को तहस-नहस कर रहे हैं।सबसे चिंताजनक स्थिति फांसी ढाना जंगल की गोंदरा नदी की बताई जा रही है। यह नदी पूरे साल जलधारा के लिए जानी जाती है, लेकिन रेत माफिया ने इसका प्राकृतिक स्वरूप ही बिगाड़ दिया है।

आरोप है कि रेत चोर दो किलोमीटर अंदर तक जंगल में घुसकर नदी की रेत निकाल रहे हैं। भारी वाहनों और मशीनों के कारण नदी का तल बुरी तरह प्रभावित हुआ है, वहीं आसपास के पेड़-पौधों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।स्थानीय लोगों के अनुसार कुआं बादला सर्कल की कई नदियों में आज भी दिनदहाड़े रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य वाहनों से रेत की ढुलाई होती है, लेकिन वन विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। यही वजह है कि रेत माफिया अब खुलकर जंगल की संपदा को लूटने में लगे हैं।मामला यहीं तक सीमित नहीं है। तामिया मुख्यालय की बीट में मंधान मद योजना के तहत छोटे-छोटे नालों से बहने वाली सिल्ट को रोकने के लिए चेक डैम बनाए गए थे, ताकि मिट्टी और सिल्ट मंधान डेम तक न पहुंचे। इन चेक डैमों का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन था, लेकिन अब इन्हीं चेक डैमों को रेत माफिया ने अपना नया ठिकाना बना लिया है।

जानकारी के अनुसार इन चेक डैमों में समय के साथ काफी मात्रा में रेत जमा हो गई थी। इसी रेत को निकालने के लिए मुनारा क्रमांक 459 में केंपा मद से लगाए गए पौधों की सुरक्षा के लिए एक गेट लगाया गया था। लेकिन आरोप है कि रेत चोरों ने उसी गेट को खोलकर वन भूमि में घुसपैठ कर ली और चेक डैमों में जमा रेत को निकालना शुरू कर दिया।चौंकाने वाली बात यह है कि इन चेक डैमों से रेत निकालने के स्पष्ट प्रमाण भी मौजूद हैं।

जंगल के भीतर तक वाहनों के टायर के निशान देखे जा सकते हैं, वहीं चेक डैमों में रेत भरने के गड्ढे भी साफ दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद वन विभाग का कहना है कि उन्हें इस अवैध गतिविधि की कोई जानकारी नहीं है, जो अपने आप में बड़ा सवाल खड़ा करता है।और भी हैरानी की बात यह है कि जहां से रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है, वह स्थान तामिया मुख्यालय के विश्राम गृह के बेहद नजदीक है।

ऐसे में यह मानना मुश्किल है कि वन विभाग को इस पूरे खेल की भनक तक नहीं लगी होगी। सवाल यह उठता है कि जब मुख्यालय के आसपास ही चेक डैमों से रेत चोरी हो रही है, तो क्या यह सब विभाग की आंखों के सामने नहीं हो रहा?पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि जंगल के भीतर इस तरह रेत निकालना केवल प्राकृतिक संसाधनों की चोरी नहीं है, बल्कि यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरनाक है। नदी और चेक डैमों से रेत हटने से जलधारा का संतुलन बिगड़ता है, जिससे भविष्य में जल संकट भी पैदा हो सकता है।

इसके अलावा रेत ढोने वाले भारी वाहन जंगल के भीतर से गुजरते हैं, जिससे वृक्षारोपण वाले क्षेत्रों को भी भारी नुकसान होता है। केंपा मद से लगाए गए पौधों की सुरक्षा के लिए बनाए गए गेट और संरचनाएं भी अब बेकार साबित हो रही हैं, क्योंकि उन्हीं रास्तों का इस्तेमाल रेत माफिया कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि वन विभाग वास्तव में कार्रवाई करना चाहे तो इस अवैध उत्खनन को कुछ ही दिनों में रोका जा सकता है। लेकिन अब तक की स्थिति यह बताती है कि या तो विभाग पूरी तरह लापरवाह है या फिर रेत माफिया को खुला संरक्षण दिया जा रहा है।

लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध उत्खनन पर रोक नहीं लगाई गई, तो तामिया के जंगलों की नदियां और चेक डैम पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे। जंगल के भीतर रेत की लूट और पेड़-पौधों की बर्बादी आने वाले समय में पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।अब सवाल यह है कि क्या वन विभाग इस पूरे मामले में जिम्मेदारी तय करेगा या फिर तामिया के जंगलों में रेत माफिया का यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

अवैध रेत के साथ पकड़ाया ट्रैक्टर

न्यूटन / परासिया :- न्यूटन पेंच नदी में रेत का अवैध उत्खनन निरंतर जारी है । जिसका प्रमाण शनिवार को देखने को मिला । ग्राम बेलगांव (न्यूटन) में पेंच नदी से रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन कर ले जाते समय नायब तहसीलदार राम सूर्यवंशी ने ट्रैक्टर को पकड़ा लिया और पुलिस चौकी न्यूटन में सुपुर्द किया गया । ट्रैक्टर उदय साहू का बताया जा रहा है ।बता दें , कि न्यूटन , बेलगांव , पैजनवाड़ा में रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन धड़ल्ले से हो रहा है । इस काम से जुड़े लोग पूरी दबंगई के साथ रात - दिन इस काम को अंजाम दे रहे हैं । इनका विरोध करने वालों को ये लोग डराने - धमकाने से भी बाज नहीं आते हैं ।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने जिलेवासियों को दी रंगपंचमी की शुभकामनाएं

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने जिले के समस्त नागरिकों को रंगपंचमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। अपने शुभकामना संदेश में श्री यादव ने कहा कि रंगपंचमी का पर्व सनातन संस्कृति की जीवंत परंपराओं और उत्सवधर्मिता का प्रतीक है। भारतीय सनातन परंपरा में प्रत्येक पर्व केवल उत्सव ही नहीं होता, बल्कि वह समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिकता और आपसी सद्भाव का संदेश भी देता है। रंगपंचमी का पर्व भी जीवन को आनंद, उल्लास और भाईचारे के रंगों से भरने की प्रेरणा देता है।

गैस के बढ़े हुए मूल्य के खिलाफ सड़क पर उतरी महिला कांग्रेस

भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई किमतों के खिलाफ महिला कांग्रेस ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में गैस सिलेंडर के पोस्टर लेकर सड़क पर उतरी कांग्रेस की महिला नेत्रियों ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ईएलसी चौक पर विरोध प्रदर्शन करते हुए बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लेने की मांग उठाई।

जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी ने कहा कि पहले से ही महंगाई का सामना कर रही जनता पर भाजपा सरकार ने रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोत्तरी कर आम जनता पर एक बोझ और डाल दिया है। कांग्रेस की सरकार में महज एक से दो रुपए कीमत बढ़ने पर भाजपाई सड़क पर उतर आते थे, आज 115 से 60 रुपए तक मूल्य वृद्धि होने के बाद भी भाजपाई चुप है। कभी जनता को महंगाई से राहत दिलाने के खोखले भाषण देने वाले प्रधानमंत्री लगातार महंगाई बढ़ा रहे है जिसका महिला कांग्रेस कड़ा विरोध करती है। उन्होंने बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लेने की मांग की है, अगर सरकार ने निर्णय नहीं लिया तो महिला कांग्रेस के द्वारा सतत रूप से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती दीपा यादव ने कहा कि रसोई गैस पर 60 रुपए एवं कमर्शियल गैस पर 115 रुपए बढ़ाना महिलाओं की रसोई का बजट बिगाड़ देगा। इसके लिए पूरी तरह से भाजपा की सरकार जिम्मेदार है जो सतत रूप से आमजन को महंगाई के मुंह में धकेल रही, जनता आर्थिक रूप से कमजोर हो रही है। विरोध प्रदर्शन में जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष किरण चौधरी, शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपा यादव, एससी प्रकोष्ठ अध्यक्ष संतोषी गजभिये, सुधा शर्मा, संगीता ठाकुर, लक्ष्मी यदुवंशी, ममता चौखे, माया सूर्यवंशी, पूनम उइके, साक्षी चौबे, सविता कनौजिया, अर्चना करमेले, रोशनी श्रीवास, रूपा यादव, रेणु तिवारी, माही झा, ज्योति, सुनिता मालवी, आम्रपाली मौजूद रही।

सिंगोड़ी में धूमधाम से मनाई गई होली

सिंगोड़ी। अमरवाड़ा विधानसभा की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत सिंगोड़ी में होली का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। ग्राम में जहां तहां लोग एक दूसरे को विभिन्न प्रकार के गुलाल और कलर के माध्यम से तिलक लगाते हुए देखे गए। और होली पर्व की बधाई दी।ग्राम पंचायत सिंगोड़ी में पानी के लिए मचा हाहाकार होली खेलने के बाद जैसे ही शाम होने लगी तो लोगों की परेशानी उस समय ज्यादा बढ़ गई जब पानी न होने के कारण नदी कुएं से लोग पानी लाते हुए दिखाई दिए और जनता में भी भारी आक्रोश देखा गया वही सिंगोड़ी में जल नल योजना पूर्ण तरीके से ठप्प पड़ी हुई है कहीं नल बंद पड़े हैं तो कहीं किसी को नल में पानी ही नहीं आ रहा हैं सिंगोड़ी में पेयजल संकट गहराता जा रहा है।

आज जीवित समाधि स्थल सिंगोड़ी पर उमड़ेगा लोगों का जनसैलाब

जीवित समाधि स्थल पर अपनी मनोकामनाओं को पूर्ण करने हेतु श्रद्धालु पहुंचते है यहां मत्था टेकने

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिंगोड़ी

ग्राम सिंगोड़ी में स्थित मेन रोड कबीरवाडा में होली पर्व के पावन अवसर पर रंग पंचमी के मौके पर विशाल मेला नगर के जीवित समाधि स्थल पंथ श्री हुजूर सुरुति सनेही नाम साहेब के जीवित समाधि स्थल प्रांगण में होली के दूसरे दिन से 5 दिवसीय विशाल भंडारा प्रारंभ हो गया है। यह कार्यक्रम हर वर्ष आयोजित होता है जिसके चलते इस जीवित - दरबार में लगातार 5 दिन तक प्रतिदिन भंडारा का आयोजन समिति के द्वारा होता है।

समिति के सदस्यों ने बताया की यह रंग पंचमी का मेला सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसिद्ध है। जंहा छिंदवाड़ा जिले सहित आसपास के अनेक जिलो और प्रदेशो से श्रद्धालुभक्तगण ग्राम सिंगोड़ी के इस जीवित समाधि स्थल सातवे वंशाचार्य के इस प्रांगण में पंथ श्री सुरुतिसनेही नाम साहेब के स्थल पर दर्शनार्थ हेतु पहुँचते है। ग्राम मे 4 मार्च सेविशाल भंडारे का आयोजन किया गया हैं जिसमें 8 मार्च को भक्तो की विशाल भीड़ इस समाधि स्थल पर उमड़ेगी।

पांच दिन तक नगर में चलता रहता हैं विशाल भंडारा पंथ श्री हुजूर सुरुति सनेही नाम साहेब के जीवित समाधि स्थल कबीरवाड़ा प्रांगण में पांच दिवसीय भंडारा का आयोजन कबीरबाडा में कबीर समिति के द्वारा आयोजित किया जाता है जिसमें समिति के द्वारा सभीधर्मप्रेमी बंधुओं के साथ जीवित समाधि स्थल पर सर्वधर्म समभाव की भावना को लेकर रात्रि के समय लगातार पांच दिनो तक भंडारा का आयोजन यंहा किया जाता है साथ ही भंडारा का आयोजन हर वर्ष यंहा किया जाता है। जिसमे सभी धर्म संप्रदाय के लोग इस कार्यक्रम में अपना सहयोग प्रदान करते है भंडारा और मेले के आयोजन में लगातार समिति के लोग इसमेंसहयोग प्रदान कर पांच दिवसीय विशाल भंडारा में योगदान दिया जाता है।

इस विशाल रंगपंचमी मेला कार्यक्रम में मध्यप्रदेश सहित नागपुर महाराष्ट्र वर्धा छत्तीसगढ़ राजस्थान गुजरात यू पी आंध्रप्रदेश कर्नाटक दिल्ली बिहार सहित अनेक प्रदेशों से श्रद्धालु भक्तगण इस जीवित समाधि स्थल पर अपनी मनोकामनाओ को पूर्ण करने हेतु मत्था टेकने यंहा पहुंचते है।

धूमधाम पूर्वक मनाया गया जन्मदिन समारोह

दमुआ। भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री भाई सौरभ शिवहरे जी का जन्म दिवस के अवसर पर 6 मार्च दिन शुक्रवार को स्थान दमुआ बेरियर क्षेत्र के कार्यालय आफिस में समस्त दोस्त मित्र एवं शुभचिंतक एवं भाजपा के वरिष्ट नेता पदाधिकारी, कार्यकर्ता भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ नेता अधिकारी स्टाफ आदि सभी की उपस्थिति में केक काटकर धूमधाम पूर्वक जन्म दिन मनाया गया इस अवसर पर सभी ने श्री सौरभ शिवहरे जी को जन्म दिन के मौके पर तिलक लगाकर केक खिलाकर हार्दिक शुभकामना एवं बधाई दी। उक्त अवसर पर प्रमोद यादव, रोहित सूर्यवंशी, आकाश सूर्यवंशी सुरेन्द्रसिंग,जब्बल मोंटू, इन्दर वर्मा, मनोज खातरकर, राकेश उइके, पप्पू रघुवंशी, अनिल सूर्यवंशी मौजूद रहे।

महिला दिवस विशेषः पर्यटकों के स्वागत से विदाई तक सब कुछ महिलाओं के हाथों में

धूसावानी होम स्टे में महिलाओं ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा के पर्यटन ग्राम धूसावानी में रहने वाली यह महिलाएं रिश्ते में तो सास-बहू हैं लेकिन जब पर्यटक होम स्टे में आते हैं तो दोनों मिलकर मेहमान नवाजी में जुट जाती हैं। कुछ ऐसा ही होता है सावरवानी में, जहां मालती यदुवंशी अपनी सास शारदा यदुवंशी के साथ मिलकर होम स्टे चला रहीं हैं।

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित छिंदवाड़ा जिले के सभी पर्यटन ग्रामों की महिलाएं अब होम स्टे व्यवसाय के जरिए आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। होमस्टे न केवल उन्हें आय का साधन दे रहे हैं, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान को भी दुनिया के सामने ला रहे हैं। परंपरा और पर्यटन का यह संगम महिलाओं के जीवन को नई दिशा दे रहा है। खास बात यह है कि छिंदवाड़ा के पर्यटन ग्रामों में पर्यटकों के बीच सास-बहू और मां-बेटी मिलकर काम करते हैं, जो मिसाल के तौर पर देखा जाता है। जिले के हर होम स्टे के संचालन में महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा होम स्टे वाले जिले छिंदवाड़ा में इस वक्त 50 से अधिक होम स्टे संचालित हैं। सारे होम स्टे महिलाओं के नाम पर ही रजिस्टर्ड किए गए हैं। इन होम स्टे में अधिकांश काम महिलाएं ही संभालती हैं। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित छिंदवाड़ा के पर्यटन ग्राम सावरवानी, चोपना, काजरा, देवगढ़, चिमटीपुर, गुमतरा और धूसावानी में स्थानीय महिलाएं न केवल अपनी पारंपरिक जिम्मेदारियों को निभा रही हैं, बल्कि पर्यटन क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से अपनी पहचान बना रही हैं। हाथों से बनाती स्वादिष्ट भोजनग्राम की महिलाएं अब पर्यटकों के लिए पारंपरिक और स्वादिष्ट स्थानीय भोजन तैयार कर रही हैं। इसके साथ ही वे लोक नृत्य और लोक गायन के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी पर्यटकों के सामने प्रस्तुत कर रही हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) छिन्दवाड़ा जिला छिन्दवाड़ा

इश्तहार

रा०प्र०क०/7/बी-113(1)/2025-2026

मौजा रोहनाकला

तहसील छिन्दवाडा व जिला छिन्दवाडा

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री शिवजी, देवीजी, महावीरजी मंदिर ट्रस्ट रोहनाकला की ओर से अध्यक्ष जय सक्सेना निवासी रोहनाकला तहसील व जिला छिन्दवाड़ा द्वारा मौजा रोहनाकला तहसील छिन्दवाडा स्थित श्री शिवजी, देवीजी, महावीरजी मंदिर ट्रस्ट पर म०प्र० लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 की धारा 30) की धारा 04 के अंतर्गत लोक न्यास के रूप में पंजीयन हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जो लोक न्यास पंजीयन हेतु प्रस्तावित है। उक्त संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति नियत दिनांक 13/03/2025 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में स्वंय या अपने मान्य अभिकर्ता/अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है नियत तिथि गत हो जाने के उपरांत प्राप्त दावे आपत्तियों पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 27/02/2025 को इश्तहार मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) छिंदवाड़ा

रैनी धाम में आस्था और परंपरा के नाम पर 250 सालों से भी अधिक समय से चली आ रही परंपरा, उमरेठ में लगता है मेघनाथ मेला

मेघनाथ मेले में नजर आती है आदिवासियों की परंपरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

जुन्नारदेव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विलावर कला एवं उमरेठ में आज भी एक साहसिक परंपरा जीवित है, जहां पर आस्था और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिलता है। ऐतिहासिक मेघनाथ मेला न केवल आस्था का केंद्र है बल्कि यहां आदिवासी संस्कृति और रावण पुत्र मेघनाथ के प्रति आदिवासियों की गहरी आस्था और श्रद्धा का एक अनूठा उदाहरण देखने को मिलता है। लगभग 30 फीट की ऊंचाई पर हवा में श्रद्धालु झूलते हैं। मान्यता पूरी होने पर श्रद्धालुओं को खूंटी पर बांधकर हवा में गोल-गोल घुमाया जाता है, जो मेले का सबसे खतरनाक और मुख्य हिस्सा है।

आस्था और परंपरा के नाम पर लगाते हैं जान की बाजी

वैसे तो दुनिया में कई तरह के खतरनाक खेल होते हैं, जिन्हें देख और सुनकर लोग दांतों तले उंगली दबा लेते हैं, ऐसे ही हमारे देश में भी कई लोग आस्था और परंपरा के नाम पर जान की बाजी लगाते हैं। ऐसा ही परंपरा के नाम पर एक खेल छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव विकासखंड एवं उमरेठ में खेला जाता है, यहां यह खेल रंगों के त्योहार होली से मेघनाथ मेला शुरू होता है और पंचमी तक चलता है।

छिंदवाड़ा में 30 फीट की ऊंचाई पर हवा में झूलते हैं श्रद्धालु

250 सालों से भी अधिक समय से चली आ रही परंपरा का निर्वहन आदिवासी समुदाय आज भी करता है। मेघनाथ मेला हर साल जुन्नरदेव विधानसभा और उमरेठ में बड़ी धूमधाम के साथ लगता है। इस मेले में बड़ी संख्या में आसपास के गांव के लोग समेत दूसरे राज्यों के लोग भी कई बार मेला देखने के लिए आते हैं। समिति अध्यक्ष ओंकार मालवीय ने बताया कि मेघनाथ मेले की परंपरा लगभग 250 साल पुरानी है उनकी कई पीढ़ियां इस मेले को देखते आ रही हैं। इस मेले में बड़ी संख्या में लोग आकर मान्यताएं मांगते हैं, जब उनकी मन्नत पूरी हो जाती है तब खंडेरा बाबा के ऊपर चढ़कर मान्यता अनुसार एक से लेकर पांच चक्कर तक राउंड घूमते हैं इसमें हर उम्र का व्यक्ति शामिल हो सकता है।

250 सालों से भी अधिक समय से चली आ रही परंपरा

उमरेठ गांव में चर्चित है ये किवदंती खंडेरा बाबा समिति अध्यक्ष ओंकार मालवीय ने बताया कि बहुत पुरानी बात है जब रैनी गांव में किसी प्रकार की सुख समृद्धि नहीं होती थी। जब भी यहां कोई बसना चाहता था तो यहां कोई ना कोई प्राकृतिक आपदा के कारण वह पूर्णत नष्ट हो जाता था, जब से यहां पर खंडेरा बाबा और मां निकुम्बला देवी की स्थापना हुई उसके बाद यहां पर किसी प्रकार की कोई प्राकृतिक आपदा के कारण गांव उजड़ा नहीं, इसके बाद से ही यहां लगातार हर साल होली से 5 दिनों तक मेघनाथ मेला लगता है।

मेघनाथ मेला में हैरतअंगेज कारनामे

मेघनाथ मेला आज के युग में भी आदिवासियों के लिए रावण उनके आराध्य हैं। उनके पुत्र मेघनाथ मां निकुम्बला देवी के भक्त थे, जिनकी आराधना आदिवासी समाज के लोग करते हैं। खंडेरा बाबा के पास आकर लोग मन्नत मांगते हैं और जब उनकी मान्यताएं पूरी हो जाती हैं, तब यहां पर आकर लगभग 30 फीट की ऊंचाई पर एक मोटी लकड़ी से उन्हें कपड़ा या रस्सी के सहारे कमर पर बांध दिया जाता है। और फिर उन्हें उनकी मान्यता के अनुसार एक से पांच चक्कर तक घुमाया जाता है। आदिवासी समाज के लोग आज भी परंपरा और मान्यताओं का निर्वहन करते चले आ रहे हैं।

ऊंचे ऊंचे पहाड़ों पर बड़ी-बड़ी चट्टानें है आकर्षण का केंद्र

रैनी धाम के इस मेले में पहाड़ी क्षेत्र पर बड़ी-बड़ी चट्टानों पर मंदिर स्थित होना और चट्टानों पर भगवान की आकृति के साथ-साथ बड़े नाग देवता की प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र है, जहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शनों के साथ-साथ सेल्फी प्वाइंट के रूप में भी यहां पहुंचते हैं और चट्टानों पर चढ़कर सेल्फी लेकर इस सोशल मीडिया पर वायरल करते हैं। प्रतिवर्ष इस मेले में हजारों की संख्या में व्यापारी वर्ग भी पहुंचता है जो 5 से 7 दिनों तक चलने वाले इस मेले में अपनी आजीविका के लिए धन उपार्जित करता है। मेले में 5 से 7 दिनों तक लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और पूजन अर्चन कर वरदान प्राप्त करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित

जुन्नारदेव: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नगर में विभिन्न जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के अधिकार, शिक्षा, सुरक्षा और सामाजिक भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल न्यायालय की जज श्रीमती पूजा मौर्य उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है तथा शिक्षा और आत्मविश्वास के माध्यम से वे समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।कार्यक्रम का आयोजन अधिवक्ता श्रीमती रंजीत डहरिया के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। तथा महिलाओं को कानूनी अधिकारों की जानकारी भी दी गई।अंत में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया और महिलाओं को समाज में सम्मान व समान अवसर प्रदान करने का संदेश दिया गया।उत्कृष्ट मंच संचालक रश्मि बेलसरे ने किया । कार्यक्रम में सीईओ रश्मि चौहान कौशल्या सालोड़े ,डॉ रश्मि नागवंशी डाक्टर संगीता वॉशिंगटन ,उपनिरीक्षक पूनम उइके अधिवक्ता परवेज रफी कुरैशी -संगीता वर्मा सामुदायिक केन्द्र कविता शर्मा शिक्षिकामाधुरी बत्रा, बबी शर्मा सहित अनेकों महिलाएं उपस्थित थी।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

जुन्नारदेव। महिला एवं बाल विकास विभाग जुन्नारदेव द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास परियोजना दो के अधिकारी प्रिंस साहू, अमित,चतुर्वेदी, प्रभारी परियोजना अधिकारी सीमा धुर्वे सुपरवाइजर सुनीता बरसिया दिव्या तेलंग नीतू वर्मा सहित पंडित रविशंकर स्कूल का समस्त स्टाफ अरविंद विद्यालय स्कूल का स्टाफ एवं नेहरू मिडिल स्कूल का स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर हिमालय अर्पण के साथ किया गया इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं द्वारा समस्त मात्र शक्तियों को महिला अधिकार एवं कानून की जानकारी प्रदान की गई साथ ही भारत सरकार द्वारा महिला उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं के हित में चलाई जा रही समस्त योजनाओं से भी उन्हें अवगत कराया गया साथ ही महिलाओं को स्वस्थ और संतुलित भोजन के संबंध में भी समझाइए दी गई। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय पंडित रविशंकर शुक्ल स्कूल में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में किया गया कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है सहायिकाएं सहित क्षेत्र की महिला शक्ति एवं स्कूली छात्राएं उपस्थित थी।

मवासी / कोरकू आदिवासी समाज का होली मिलन समारोह

दमुआ। क्षेत्र के आदिवासी समाज के खास तबके मवासी कोरकू समाज ने शुक्रवार मवासी समाज भवन परिसर में शानदार होली मिलन समारोह का आयोजन किया । मवासी/कोरकू आदिवासी सामाजिक समिति दमुआ जुन्नारदेव की अगुवाई में आयोजित होली मिलन समारोह में सगा समाज के आम और खास लोगो ने मिलकर रंग खेल कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया । समारोह में मवासी कोरकू समाज के जिला अध्यक्ष चरनलाल दर्शमा, कार्यकारी जिला अध्यक्ष नवलसिंग दर्शमा उपाध्यक्ष मीना भोपा कोषाध्यक्ष हीरालाल ढ़ीकू ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की वही समाज के वरिष्ठ बुजुर्गों सुकलसिंग ढीकू मंगलसिंग भोपा, जुन्नारदेव जनपद पंचायत अध्यक्ष सविता अशोक बोसम जनपद सदस्य कपूरी लोबो सरपंच गण रामरती शीलू प्यारेलाल बोसम , एवं ब्लाक अध्यक्ष सुनील जी,कालीचरण राजभोपा कैलाश बोसम ,दुबेलाल लोबो रामदास कायदा आदि ख़ास तौर पर उपस्थित रहे ।समारोह में जुन्नारदेव क्षेत्र के दूरस्थ ग्रामों से आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता भाई-बहन शामिल हुए। गोरखघाट और बीजापठार की फाग मंडली ने समारोह में मनमोहक प्रस्तुतियां दी । आयोजन के दौरान समाज के जिम्मेदारों ने मुख्य वक्ताओं के रूप में सामाजिक लोगो को संबोधित भी किया । कहा रंगों का त्यौहार होली हमको प्रकृति से जोड़ता है । वक्ताओं ने आदिवासी परंपरागत त्यौहारों को मनाने पर जोर देते हुए कहा आदिवासी समुदाय की विलुप्त हो चुकी परंपराओं को फिर से जिवित करने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है ।

चौरई संभाग में मनाया गया लाइनमैन दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई

प्रतिकूल परिस्थितियों में सेवा देने वाले 'विद्युत प्रहरी' मेडल से सम्मानितविद्युत विभाग के दिशा-निर्देशों के परिपालन में आज चौरई बायपास, हसनपुर रोड स्थित पारस लॉन में 'लाइनमैन दिवस' का गरिमामयी आयोजन किया गया। जिसमें कार्यपालन अभियंता चौरई के मुख्य आतिथ्य एवं समस्त सहायक एवं कनिष्ठ अभियंताओं की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में विभाग की 'रीढ़ की हड्डी' कहे जाने वाले लाइनमैनों के अतुलनीय योगदान को सराहा गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि कड़कड़ाती ठंड, भीषण धूप और मूसलाधार बरसात जैसी हर प्रतिकूल परिस्थिति में जान जोखिम में डालकर जनता की सेवा करने वाले ये कर्मचारी ही असली नायक हैं।इस अवसर पर संभाग के उन कर्मठ लाइनमैनों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिन्होंने पूरे वर्ष सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए 'शून्य विद्युत दुर्घटना' के लक्ष्य को प्राप्त किया और उत्कृष्ट एवं सावधानी पूर्वक कार्य किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त लाइनमैनों के अनुभव को नमन किया गया और सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं की उपस्थिति में विभाग के प्रति उनके विश्वास को और सुदृढ़ किया गया। अधिकारियों ने सभी मैदानी कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों के अनिवार्य उपयोग के साथ कार्य करने का संकल्प दिलाया।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता के छात्रों ने किया शासकीय विभागों का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज उकवा।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में अध्यनरत स्नातक व परास्नातक के छात्रो ने आज बैहर में कार्ररत विभिन्न विभागों का शैक्षणिक भ्रमण कर शासन की कार्यपद्धति को जाना आज प्रमुख रूप से पुलिस थाना बैहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैहर पशुपालन विभाग एवं जनपद पंचायत बैहर का भ्रमण कर विभिन्न आयामो व योजनाओं से अवगत हुए पुलिस थाने बैहर में थाना प्रभारी श्री जयंत मर्सकोले जनपद पंचायत बैहर में श्री बी एस मेरावी पशुपालन विभाग से श्री आशीष वैध व अन्य अधिकारियो द्वारा विभाग की योजनाओं से विस्तृत रूप से छात्रो को अवगत कराया गया प्रत्यक्ष अनुभव छात्रो के लिए एक अनोखा अवसर होता है जहां वे कक्षा में सीखी गई चीजों को वास्तविक जीवन में देख सकते व्यावहारिक ज्ञान शैक्षणिक भ्रमण छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है, जिससे उन्हें विषय को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है।यह भ्रमण छात्रों को समूह में काम करने और सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद करता मिलेगी छात्रों को नई चीजें सीखने का अवसर मिला है, जिससे उनकी रुचि और ज्ञानके वर्धन होगा भ्रमण से जंहा आत्मविश्वास में मदद मिलेगी शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण गतिविधि है जो उन्हें व्यावहारिक ज्ञान, सामाजिक कौशल और नई चीजें सीखने का अवसर प्रदान करती है। यह भ्रमण छात्रों को स्वतंत्र रूप से काम करने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिलेगी आज के भ्रमण कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक महेश पटले परामर्शदाता शिवनाथ यादव सुरेश यादव भंवर मेरावी आकांक्षा तेकाम संगीता मेरावी एवं छात्र समाज सेवी संदीप गजभिये, अभय यादव, मोनिका ठाकरे,ज्योति कुर्वेती,विमल भावे, दीपा मेरावी, लवकेश सोनवानी,आदि का विशेष योगदान रहा।

आदिवासी भवन में मनाया गया लाइनमैन दिवस, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी हुए सम्मानित

खुद अंधेरे में कार्य करके हमारे घरों में रोशनी प्रदान करता है, वह लाइनमैन है - पटेल

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी वारासिवनी द्वारा आदिवासी सामुदायिक भवन सिकन्द्रा में शनिवार को सांसद श्रीमती भारती पारधी और वारासिवनी-खैरलांजी क्षेत्र के विधायक विवेक विक्की पटेल के मुख्य आतिथ्य में लाईनमेन दिवस मनाया गया। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसके बाद अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया और उत्कृष्ट कार्य करने वाले बिजली विभाग के कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इसका उद्देश्य बिजली वितरण और सुरक्षा में उनके अथक योगदान को पहचानना है। इस दौरान कार्यपालन अभियंता बी एल भैना, सहायक अभियंता राहुल तुरकर, के एल गौतम, प्रणय श्रीवास्तव, राजकुमार शर्मा, सरपंच कन्हैया खैरवार, आनंद बिसेन, मनोज पाराशर सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे। इस अवसर पर विद्युत कर्मचारियों व अधिकारियों को संबोधित करते हुए विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि गर्मी हो, सर्दी हो, आंधी हो, तूफान हो, हर मौसम में हमारा लाइनमैन अपनी जान जोखिम में डालकर काम करता है। वो अंधेरे में काम करके दूसरों को रोशनी देता है। हमारा क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है। जनता सबसे ज्यादा समस्या सिर्फ बिजली की लेकर पहुंचती है और हम जब अधिकारी से बात करते है। तो बहुत जल्द समस्या का समाधान हो जाता है। अभी हमारे क्षेत्र में बहुत से गांव में शासन की मंशा और मेरे विधायक निधि की राशि से कार्य चल रहा है। हमारा किसान कड़ी मेहनत करके फसल लगाता है। उन्होंने कहा कि शासन कहता है कि किसानों को पांच रुपए में स्थाई कनेक्शन देंगे। मगर नहीं मिल रहा है। जहां बिजली की आपूर्ति बढ़ रही हैं, वहां ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे है। जिससे बिजली की समस्या से निजात मिल सके। जब बिजली की मांग बढ़ेगी, तो वोल्टेज की समस्या आएगी। फिर भी कर्मचारी मेहनत करके समस्या का निराकरण करते है। विधानसभा सत्र में मैने आउटफोर्स कर्मचारियों के हित में प्रश्न लगाया था। वो सामान्य प्रशासन विभाग में आता है और वह मुख्यमंत्री जी के पास है। मेरी उनसे चर्चा हुई है, उन्होंने आश्वस्त किया कि समस्या का हल निकाला जाएगा। वहीं बिजली विभाग मेंकम कर्मचारियों होने के कारण मैने मांग की है कि आऊटसोर्स कर्मचारियों की जो सेवानिवृत्त की उम्र 50 वर्ष है। उसे बढ़ाकर 60-65 वर्ष किया जाए। दीपावली में हमारे घरों में प्रकाश हो रहा है, हमारे खेतो में बिजली पहुंच रही है। उसमें हमारे बिजली कर्मचारी का बहुत बड़ा योगदान है।

ग्रामीण स्तरीय अंडर 17 टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता बिठली में आज से

वारासिवनी। जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहगॉव खुर्द के ग्राम बिठली में ग्रामीण स्तरीय अंडर 17 टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ 8 मार्च को सुबह 9 बजे से हो रहा है। जिसमें एंट्री फीस 301 रुपये रखी गई है और प्रथम पुरस्कार 3501 रुपये व द्वितीय पुरस्कार 1501 रुपये रखा गया है। इस आशय की जानकारी देते हुए टूर्नामेंट आयोजक शिवम आड़े, प्रियांशु सयाम आदि ने बताया कि यह मैच 6-6 ओवर का होगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी के मुख्य आतिथ्य, ग्राम पंचायत मोहगॉव खुर्द सरपंच फागूलाल मरठे के प्रमुख आतिथ्य, पूर्व सरपंच सालिकराम राऊत के विशेष आतिथ्य एवं डॉ. नारायण पटले की अध्यक्षता में होगा। आयोजकों ने जिले के ग्रामीण क्षेत्र की अंडर 17 क्रिकेट टीमों से अपील की है कि वह अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर टूर्नामेंट को सफल बनाने में सहयोग करें।

भिलाई रोड से वारी मंदिर तक बनेगी पक्की सड़क, श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से 2.73 किमी बीटी सड़क, 31 मार्च 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज लांजी । विकासखंड लांजी के वारी गांव तक अब आवागमन कहीं आसान होगा। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना के तहत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-02 बालाघाट भिलाई रोड से वारी मंदिर तक 2.73 किमी बीटी सड़क बना रहा है। लागत लगभग 1.80 करोड़ रुपये, डब्ल्यूएमएम काम तेज़ी से चल रहा है।संभाग के कार्यपालन यंत्री मनोज धुर्वे ने बताया कि सड़क बनने से ग्रामीणों को आवागमन सुविधा, परिवहन और रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और गांव के विकास को गति मिलेगी।वारी, छत्तीसगढ़ सीमा के पास पहाड़ी पर स्थित देवी मंदिर के कारण श्रद्धा का बड़ा केंद्र है। अब तक पक्की सड़क न होने से 2.73 किमी का कच्चा रास्ता बरसात में खासा कठिन था। नई सड़क से श्रद्धालुओं को मंदिर पहुंचना आसान होगा, स्थानीय लोगों को रोज़मर्रा की आवाजाही में सहूलियत मिलेगी और धार्मिक पर्यटन भी बढ़ेगा। ग्रामीणों को उम्मीद है कि इससे वारी क्षेत्र का विकास तेज़ी से आगे बढ़ेगा।

रात के अंधेरे में धड़ल्ले से चल रहा मिट्टी का अवैध खनन, जिम्मेदारों की चुप्पी में लांजी क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध मिट्टी खनन

खेतों से धड़ल्ले से हो रहा अवैध मिट्टी खनन, प्रशासन बना मूकदर्शक

हरिभूमि न्यूज लांजी।

लांजी क्षेत्र में लगातार अवैध उत्खनन का कारोबार बेरोक-टोक चल रहा है और स्थानीय अधिकारी हाथ पे हाथ धरे बैठे हुए हैं। प्रशासनिक शक्ति के तमाम दावों के बावजूद लांजी क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन और परिवहन का धंधा लगातार जारी है । आरोप है कि खेतों तथा सरकारी - गैरसरकारी जमीनों से जेसीबी मशीन के माध्यम से बड़े पैमानों पर मिट्टी निकाली जा रही है और उसे ट्रैक्टर ट्रालियों से मुख्य मार्ग के जरिए गंतव्य तक पहुंचा जा रहा है।क्षेत्र में नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है जबकि नियमों के अनुसार परमिट में यह स्पष्ट किया जाता है कि किस स्थान पर कितनी गहराई तक खनन की अनुमति है। आरोप है कि जहां चार फीट की अनुभूति होती है वहां 20 फीट तक खुदाई कर दी जाती है। अतिरिक्त निकल गई मिट्टी की रॉयल्टी सरकारी खजाने में जमा नहीं होती है जांच के समय कथित तौर पर यह तर्क दिया जाता है कि गड्ढा पहले से मौजूद था जिससे नियम कानून को दरकिनार कर अवैध खनन जारी रहता है। लांजी क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार चरम पर है। खेतों से जेसीबी, मशीनों के जरिए मिट्टी खोदकर ट्रैक्टर ट्रॉलियों में भरकर बेचा जा रहा है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई जा रही है। इस पूरे मामले में न तो प्रशासन सजग है और न ही खनन विभाग गंभीर नजर आ रहा है। किसानों की उपजाऊ जमीन का दोहन कर खनन माफिया मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि शासन की मंशा को ठेंगा दिखाया जा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि इस अवैध गतिविधि में खनन व राजस्व विभाग की अनुमति प्रक्रिया की अहम भूमिका रहती है। एक व्यक्ति को मिली अनुमति की आड़ में अन्य लोग भी जेसीबी लगाकर खनन करते हैं- ऐसा आरोप है। इसके बाद संबंधित विभागों को रसाधनेर की प्रक्रिया शुरू होती है।

ग्रामीण मार्गों जहां से लगातार मिट्टी से भरे ट्रैक्टर की आवाजाही दिनभर जारी रहती है, यहां के निवासी उड़ रही धूल एवं रास्ते में फैल रही मिट्टी से परेशान हैं, तथा रात रात भर ट्रैक्टर खर्राटे मारकर दौड़ते हैं जिससे ग्रामीणों की रातों की नींद भी उड़ जाती है। लेकिन अवैध खनन माफियाओं के डर के मारे अधिकारियों से शिकायत तक नहीं कर पा रहे हैं, और अगर धोखे से अधिकारियों को शिकायत कर भी दे तो अधिकारी मौके पर पहुंचकर अवैध उत्खनन करता हूं से तालमेल बनाकर सेटिंग कर लेते हैं। यूं तो छोटे स्तर पर कई स्थानों पर मिट्टी का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। लेकिन बड़े पैमाने पर ग्राम जीवनारा देवानंद पटले के खेत से ग्राम सडरा में मकान के भरण हेतु बड़े पैमाने पर जेसीबी मशीन से लगातार उत्खनन जारी है। वही इस संबंध में राजस्व विभाग को भी जानकारी होने के बाद और मौके स्थल पर पहुंचने के बाद भी कार्यवाही शून्य के बराबर रही। तो ये है जिम्मेदार अधिकारियों का रवैया. जब इनसे संपर्क किया जाता है तो सब एक दूसरे पर जिम्मेदारियां थोपते नजर आते हैं. जिले के कलेक्टर को समय सीमा की समीक्षा बैठकों में यह अधिकारी सिर्फ और सिर्फ कागजों में ही बेहतर कार्य करने का रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं, धरातल पर स्थिति कुछ और ही नजर आ रहा है.जानकारों की मानें तो अधिकांश मामलों में खनिज विभाग की मूक सहमति और प्रशासन की अनदेखी है. खनन माफिया खुलेआम खनिज संपदा का दोहन कर रहे हैं और जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे.आपको बता दें कि लांजी क्षेत्र में मुरुम का एक भी घोषित खदान नहीं है.फिर भी मुरुम उपलब्ध है.।

खबर संक्षेप

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति का उत्सव कार्यक्रम आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज रविवार को दोपहर 3 बजे बड़ा मिशन स्कूल ग्राउंड, सिवनी में नारी शक्ति का उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है।
कार्यक्रम में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा हुनर हाट, पोषण प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, मनोरंजन गतिविधियां तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को महिला प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा जिले की महिलाओं, स्व-सहायता समूहों तथा आम नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है।

गेहूं उपार्जन हेतु किसान पंजीयन की तिथि बढ़ी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन 07 फरवरी से 07 मार्च 2026 तक निर्धारित था। किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 मार्च 2026 कर दी गई है।
किसान निःशुल्क पंजीयन सहकारी समितियों में स्थापित पंजीयन केन्द्रों पर तथा सशुल्क पंजीयन एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क एवं साइबर कैफे के माध्यम से करा सकते हैं। अतः किसान 10 मार्च 2026 तक अपनी उपज का पंजीयन अवश्य कराएं।

84 परीक्षा केन्द्रों में हायरसेकेण्डरी हिन्दी परीक्षा संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायरसेकेण्डरी मुख्य परीक्षा वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले के 84 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएं 10 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की गईं। शनिवार 7 मार्च को हायरसेकेण्डरी की हिन्दी की परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें कुल 12,350 परीक्षार्थी दर्ज थे। इनमें से 12,212 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 138 अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान नकल का कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सिवनी में कंट्रोल रूम स्थापित कर परीक्षा केन्द्रों की गतिविधियों की सतत मॉनिटरिंग की गई। साथ ही जिलास्तरीय एवं विकासखण्ड स्तरीय उडऩदस्ता दलों द्वारा परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण किया गया, जिसमें सभी केन्द्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संचालित पाई गई। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में जिले में हाईस्कूल एवं हायरसेकेण्डरी की परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुईं। कलेक्टर श्रीमती पटले ने परीक्षा कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रेक्षकों, केन्द्राध्यक्षों, सहायक केन्द्राध्यक्षों तथा सहयोगी अमले के प्रति आभार व्यक्त किया है।

तेज आवाज साइलेंसर वाली एक और बुलेट मोटर सायकिल पर कोतवाली पुलिस ने की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता द्वारा तेज व मोडीवाई सायलेंसर वाहनों पर आपत्ति जाहिर की जा रही है जो थाना कोतवाली द्वारा पूर्व में कई बुलेट एवं मोटर साइकिल जिनमें तेज आवाज एवं मीडीफाईड सायलेंसर के विरूद्ध अभियान छेड़ा गया था जो इसी क्रम में पूर्व के मुताबिक लगातार कार्यवाही करते हुए एक और बुलेट मोटर साइकिल को शहर में तेज आवाज में सायलेंसर का उपयोग करते वाहन चलाते पाया गया।
गत रात्रि को कोतवाली पुलिस द्वारा एमएलची स्कूल के सामने तेज आवज सायलेंसर की बुलेट मोटर सायकिल से हुडदंग मचाते पाये जाने पर बुलेट वाहन थाना लाकर खड़ा किया गया एवं बुलेट चालक के विरुध्द मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 119/190(2) मो. व्ही. एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए कुल 1000/- रूपये का समन शुल्क वसुल कर चालक को आवश्यक हिदायत दी गई। इससे पूर्व भी होली की रात्रि को कोतवाली पुलिस द्वारा शासकीय बस स्टेण्ड पर पेट्रोलिंग के दौरान 01 बुलेट मोटर सायकिल पर चालानी कार्यवाही कर समन शुल्क वसुल कर मोडीफाइड साइलेंसर को जप्त किया गया था।
विशेष भूमिकाः निरीक्षक सतीश तिवारी आर. संतोष साहू, विनय सेंगर, सतीश इनवाती की सराहनीय भूमिका रही।

नदी में बुजुर्ग का मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिले के घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुड़वारी के समीप नदी में 60 बुजुर्ग का शव मिला है। यह घटना शनिवार सुबह लगभग 11 बजे सामने आई। सूचना मिलने के बाद घंसौर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर जांच शुरू कर दी है। बुजुर्ग एक दिन पहले शाम से घर से लापता था। जानकारी के अनुसार, ग्राम कुड़वारी के पास नदी किनारे से गुजर रहे कुछ ग्रामीणों ने नदी में एक शव देखा। पहले उन्हें कुछ समझ नहीं आया, लेकिन करीब जाकर देखने पर पता चला कि वह एक व्यक्ति का शव है। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना घंसौर पुलिस को दी।
सूचना मिलते ही घंसौर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर भेज दिया।
पुलिस की प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान हरिसिंह (60 वर्ष) के रूप में हुई है। हालांकि, वृद्ध की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह कोई दुर्घटना है, आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए।

महिला ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र के बिछुआ गांव में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना गुरुवार देर रात की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बिछुआ निवासी चिरौंजा बाई (55) ने अपने घर के पास एक पेड़ पर फांसी लगा ली। शुक्रवार सुबह लगभग 4 बजे परिजनों ने उन्हें घर में नहीं पाया। तलाश के दौरान घर के पास पेड़ पर उनका शव फंदे से लटका मिला।
परिजनों की सूचना पर घंसौर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को नीचे उतरवाया और पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर भिजवाया। शुक्रवार की सुबह डॉक्टरों की ओर से शव का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया जाएगा।आत्महत्या के कारण अभी तक स्पष्ट नहीं
आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। घंसौर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला ने यह कदम क्यों उठाया।
इस संबंध में घंसौर थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह झरिया ने बताया कि बिछुआ गांव में महिला की ओर से फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कबड्डी प्रतियोगिता में किया सहभागिता

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शनिवार को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने पुरुष एवं महिला वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता मे अतिथि के रूप मे सहभागिता किया। नगर मिशन स्कूल मैदान मे पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग राष्ट्रीय ग्राम स्वराज

अभियान के तहत नवाचार अंतर्गत जिले मे पारंपरिक खेलों के प्रोत्साहन हेतु जिला पंचायत सिवनी द्वारा दोपहर 12:30 बजे से आयोजित पुरुष एवं महिला वर्ग कबड्डी खेल प्रतियोगिता मे भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन ने अतिथि के रूप मे सहभागिता किया। और मैदान मे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उत्साहवर्धन किया। जहां आयोजित कार्यक्रम मे विभागीय अधिकारियों द्वारा आपका अतिथि सत्कार किया गया। इस दौरान विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने अपने आशीर्वचन संबोधन मे कहा कि प्यारे बच्चों आज संसाधनों की कमी नही है लेकिन जब हम छोटे थे तो हमारे पास मैदान पर चूने की लाईन डालने तक के पैसे नही होते थे। तो हम लकड़ी से जमीन पर लकीर खींचकर अपना कबड्डी कोर्ट तैयार करते थे। ऐसे हमने जीवन की शुरुआत किया आज आपको किट के साथ आवश्यक सुविधाएं मिल रही है। इसका सदुपयोग कर क्षेत्र का नाम रौशन करें। वास्तव मे युवा कबड्डी खेल रहे है इसके साथ ही हमारी बहनें भी भी इसमें भाग ले है। कबड्डी केवल शारीरिक शक्ति का नही, बल्कि मानसिक सूझबूझ का खेल है। विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने बहनों की कबड्डी खेल मे भागीदारी की विशेष सराहना करते हुए कहा कि गांवों से निकलकर जिला स्तर पर प्रतिनिधित्व करना ही आपकी पहली और सबसे बड़ी जीत है। आप कड़ी मेहनत कर लक्ष्य पाने की कोशिश करें।

बरघाट रोड संकट मोचन हनुमान मंदिर मे हुई चोरी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। संकट मोचन हनुमान मंदिर बरघाट रोड में आज सुबह दान पेटी का ताला तोड़ हजारों की तादात में ले गए चोरों ने राशि चोरों के हौसले बुलंद क्षेत्र की चोरी के बाद अब मंदिरों में भी हाथ मारने का काम जारी आज तक नहीं पकड़ पाई चोरों को पुलिस क्षेत्र में कई असामाजिक तत्व तत्वों का जमघट लगा हुआ है जिनकी कोई जानकारी नहीं उत्तर

प्रदेश और कई क्षेत्रों से आकर थाना क्षेत्र में रह रहे हैं लोग पुलिस इन लोगों से अनजान ग्राम पंचायत का भी संरक्षण प्राप्त है।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनी में शासन के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परंपरा त्रैमासिक कैलेंडर के अंतर्गत राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. कल्पना इंगले के संरक्षण एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रभारी डॉ. ओमप्रकाश सरवैया के मार्गदर्शन में किया गया।
आज के इस कार्यक्रम में प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा की हमें अपने कार्यस्थलों, समाज में व्याप्त घटनाओं से जीवन को कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है के विषय में बताया क्योंकि सुरक्षा हमारे जीवन का महत्वपूर्ण पहलू है। इसकी सुरक्षा के लिए हमें हमेशा जागरूक रहना चाहिए।
आगे इसी कड़ी में प्रो.पंकज शेडें ने छात्राओं को साइबर सुरक्षा के बारे में बताया कि साइबर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। खासकर आज के डिजिटल युग में यह एक ऑनलाइन अपराध है ,जो हमारे डाटा सिस्टम को नुकसान पहुंचाने के लिए किए जाते हैं जैसे- हैकिंग ,फिशिंग इन सभी से बचने के लिए आप अपने पासवर्ड को मजबूत बनाएं, अनजान ईमेल और लिंक से सावधान रहें,डेटा का नियमित रूप से बैकअप लें, अपनी फोटो को व्हाट्सएप पर अपलोड ना करें।
डिजिटल अरेस्ट हुआ कॉल मर्ज से सावधान रहने की जानकारी दी। इसके साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस से संबंधित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ,जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढक़र भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।
इस कार्यक्रम में प्रो. लक्ष्मी मेश्राम, प्रो.अलका उईके, प्रो.हर्षा बघेल, डॉ अनीता भट्ट, डॉ अर्पणा अवस्थी, डॉ .डिंपल डेहरिया,प्रियंका चौरसिया की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन आयशा सिद्धिका एवं आभार डॉ. समिता शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया।

एमपीपीएससी में सीमा कोहरू का चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

मेहनत यदि पूरे लगन से की जाये तो सफलता अवश्य मिलती है. इसका उदाहरण है सिवनी निवासी श्रीमती सीमा कोहरू जिन्होने पहले ही प्रयास में एमपीपीएससी परीक्षा मे सफलता हासिल की है।
शासकीय महाविद्यालय बरघाट मे अतिथि विद्वान की सेवा देने के साथ ही पारिवारिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए एमपीपीएससी जैसे कठिन लक्ष्य को पहले प्रयास मे हासिल करना निश्चित ही सफलता की मिसाल है. ज्ञात हो की (सहायक प्राध्यापक) 2022 का परीक्षा परिणाम (लाइब्रेरी साइंस) घोषित हो गया है. इस परीक्षा के लिए एनईटीएसईटी योग्यता और निरंतर अभ्यास के साथ विषय-विशिष्ट ज्ञान आवश्यक है।
परिजनों और शिक्षकों को दिया श्रेय-श्रीमती सीमा कोहरू ने अपनी सफलता का श्रेय शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बरघाट के प्रोफ़ेसर, डॉ प्रदीप त्रिवेदी और परिजनों को दिया। सीमा बताती हैं कि यह सब आसान नहीं था, लेकिन परिजनों ने उन्हें हमेशा हौसला दिया। ज्ञात हो कि श्रीमती सीमा कोहरू जिले के जाने माने शिक्षक आर पी कोहरू (स्काउट कमिश्नर) और शिक्षिका श्रीमती कमलेश्वरी कोहरू की पुत्रवधू एवं इलेक्ट्रोनिक मिडिया के वरिष्ठ पत्रकार रुपेश कोहरू की धर्मपत्नी है.श्रीमती सीमा ने कहा कि किसी भी परीक्षा की तैयारी में धैर्य,अनुशासन और निरंतर अभ्यास सबसे अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि हमेशा अपने लक्ष्य को स्पष्ट रूप से तय करना चाहिए और कठिन परिस्थितियों में भी प्रयास नहीं छोडऩा चाहिए।

रंगारंग कार्यक्रम के बीच एसएससी महाविद्यालय का वार्षिक उत्सव संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जीवन उसे पतंग की डोर की समान है जो किसी धागे से बंधी हुई है और यही स्थिति हर इंसान के साथ जुड़ी हुई है जीवन में कुछ ऐसा कर जाए जिससे आपके परिवार का नाम रोशन हो यही हमारी शुभकामना है और कैसे की बात बनवासी विकास परिषद के संयोजक नाथूराम धुर्वे ने एसएससी महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव के अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किया कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के साथ बेड की टिंकल टेंभरे ने की कथक नृत्य पूर्वी चौरसिया ने प्रस्तुत किया गीतिका और ग्रुप ने नृत्य किया निहारिका और दीक्षा ग्रुप में गीत प्रस्तुत किया गोमती कश्यप सोलो डांस मनीषा और ग्रुप में ग्रुप डांस पलक शेफाली राजस्थानी नृत्य पलक बिसेन ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी इसी तरह जीशान मंसूरी निशा और राजेश्वरी पवित्र और ग्रुप अनुश्री अनुश्री और ग्रुप निहारिका विसेन पलक पटले राहग डाले अनिकेत दूदानी अनमोल और ग्रुप नेहा जैन महिमा रंहगडाले नमन अंकित सेन भावना मीनाक्षी मोहित श्रीवास्तव मौसम और ग्रुप दुर्गावती सहित सुनील सोनी संजय जैन ने भी अपनी प्रस्तुति दी इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार जगदी तपिश ने आशीर्वाद दिया।
कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर आर के चतुर्वेदी अजय चतुर्वेदी निधि चतुर्वेदी अखिलेश यादव अन्नपूर्णा मिश्रा रामेश्वर पांडे अनिकेत अहिरवार वैशाली अभिषेक सनोदिया अरुण पटेल सीमा सिंगोरिया चारु लता सिसोदिया ममता बावरिया प्रियंका सोनी कामिनी श्रीवास्तव सुनील रजक गौरव सनोदिया शिवदत्त पांडे राज यादव अक्षय डोंगरे क्षितिज ठाकुर कुलदीप परमार आदि का योगदान रहा।

श्री राम जन्मोत्सव को लेकर विशेष बैठक 9 को

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री राम जन्मोत्सव समिति एवं श्री बालरूप हनुमान मंदिर समिति द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान प्रभु श्रीराम दरबार की स्थापना एवं भगवान श्री राम जी की पावन शोभा यात्रा के सफल संचालन हेतु सभी सनातन धर्म रक्षकों की एक विशेष बैठक दिनांक 09 मार्च 2026 दिन सोमवार को रात्रि 8.30 बजे राम मंदिर शुक्रवारी सिवनी में आयोजित की गई है।
नगर के सभी धर्मावलंबियों से आग्रह है कि बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पावन आयोजन को भव्य एवं दिव्य बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करें। एक आह्वान के साथ, आइए हम सब मिलकर भगवान शिव कि नगरी सिवनी की पावन भूमिं में इस पावन पर्व पर प्रभु श्रीराम दरबार की स्थापना एवं भगवान श्री राम जी की पावन भव्य शोभा यात्रा को सफल एवं ऐतिहासिक सहयोग प्रदान करें।

संघर्ष से सफलता तक : एक शिक्षिका से प्रधानाध्यापिका तक का मेरा प्रेरणादायक सफर-कविता कौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को विश्व भर में मनाया जाता है। यह दिन समाज में महिलाओं की उपलब्धियों, संघर्षों और अमूल्य योगदान को सम्मानित करने का अवसर है। आज की महिलाएं परिवार तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि शिक्षा, नेतृत्व और सामाजिक निर्माण के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं।
मेरी शिक्षा जगत की यात्रा वर्ष 1997 में एक शिक्षिका (एजुकेटर) के रूप में शुरू हुई। उस समय मेरे मन में एक ही लक्ष्य था-बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उनके अंदर की प्रतिभा को निखारना। शिक्षा मेरे लिए पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह बच्चों के व्यक्तित्व, संस्कार और शिक्षण के विकास का माध्यम बनी है।
लगातार समर्पण एवं अनुभव के आधार पर वर्ष 2011 में मुझे पहली बार बिहार के मदरपुर में (प्रिंसिपल) के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। वहां दो वर्षों तक विद्यालय के विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को मजबूत करने और छात्रों के समग्र विकास के लिए कार्य किया गया। यह मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण पर्यवेक्षण था, जिसने मुझे नेतृत्व और जिम्मेदारी का वास्तविक अर्थ सिखाया।

इसके बाद मेरी यात्रा राजस्थान पहुंची, जहां मैंने जयपुर और भिवाड़ी में लगभग 12 वर्षों तक प्राचार्या के रूप में काम किया। इस दौरान मुझे शिक्षा के क्षेत्र में कई अनुभव प्राप्त हुए और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कई नई पहल करने के अवसर मिले।
वर्तमान में फरवरी 2025 से मैं मध्य प्रदेश के सिवनी में माउंट लिटेरा जी स्कूल की प्राचार्या के रूप में कार्यरत हूँ। यहां मैं अपनी पूरी टीम के साथ मिलकर छात्रों के उज्ज्वल भविष्य और उनके समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही हूँ। हमारा उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं है, बल्कि ऐसे जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक तैयार करना है जो भविष्य में समाज का नेतृत्व कर सकें ।
मैं इस अवसर पर हमारे निदेशक अंकित मालू और श्री अनिकेत मालू के प्रति अपनी हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताते हुए मुझे माउंट लिटेरा जी स्कूल, सिवनी का नेतृत्व करने का अवसर प्रदान किया। उनका विश्वास और मार्गदर्शन मेरे लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।
महिला दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि महिलाओं को अवसर, विश्वास और सहयोग मिले, तो वे हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू सकती हैं।
आज की महिला केवल अपने सपने को साकार नहीं करती, बल्कि समाज और आने वाली जगह के लिए भी प्रेरणा देती है। महिलाएँ केवल सपने नहीं देखतीं, बल्कि अपने परिश्रम और संकल्प से उन्हें साकार भी करती हैं।
महिला दिवस के इस विशेष अवसर पर मैं सभी महिलाओं को यह संदेश देना चाहती हूँ कि वे अपने सपनों पर विश्वास रखें, क्योंकि नारी शक्ति ही समाज की सबसे बड़ी प्रेरणा और प्रगति की आधारशिला है।

ग्राम कुदवारी में 9 से 17 मार्च तक श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन

कलश यात्रा से होगा शुभारंभ, हवन-भंडारे के साथ होगा समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ घंसौर।

सिवनी जिले की घंसौर तहसील के ग्राम कुदवारी में 9 मार्च से 17 मार्च 2026 तक नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे गांव में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिल रहा है। आयोजन समिति के अनुसार इस दौरान श्रद्धालु भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं एवं भागवत महात्म्य का रसपान करेंगे।
कथा के प्रवचन विख्यात कथा व्यास पं. श्री रामचन्द्र जी महाराज (सिलगी वाले) द्वारा किए जाएंगे, जो अपने मधुर वाणी और भावपूर्ण प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत के गूढ़ रहस्यों और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का विस्तार से वर्णन करेंगे। प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5:30 बजे तक कथा प्रवचन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आसपास के गांवों सहित दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।
आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ 9 मार्च, सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं एवं श्रद्धालु कलश धारण कर गांव में धार्मिक वातावरण का निर्माण करेंगे। वहीं 17 मार्च, मंगलवार को हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे के साथ इस नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन किया जाएगा।
धार्मिक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 11 बजे तक संगीतमय पाठ, पारायण एवं विशेष पूजन का आयोजन भी किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि यह आयोजन श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है, जिसमें क्षेत्र के लोगों की भागीदारी से पूरे गांव में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित होगा।आयोजक परिवार ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन अपने पितरों की मोक्ष प्राप्ति तथा ग्राम की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के उद्देश्य से रखा गया है।

नागपुर सहित नगर के विशेषज्ञों ने दिए परामर्श

डी. पी. चतुर्वेदी महाविद्यालय में ब्लड डोनेशन कैंप एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण जांच शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था डी. पी. चतुर्वेदी विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा महाविद्यालय, बारापत्थर (सिवनी) में संस्था के संस्थापक स्व. डी. पी. चतुर्वेदी जी की जन्म जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।
जिसमें 5 मार्च को वृद्ध आश्रम में भोजन व्यवस्था तथा 6 मार्च को ब्लड डोनेशन कैंप एवं निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों सहित गणमान्य नागरिकों ने रक्तदान किया। इसी तारतम्य में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में नागपुर के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. अंबर दवारे (एम.एस. अस्थि रोग विशेषज्ञ), डॉ. मानसी ठाकुर (एम.एस. प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. अंकित दवारे (एम.सी.एच. न्यूरो सर्जन), डॉ. केतकी अंबुलकर (एम.डी. मेडिसिन), डॉ. सानिका ठाकुर (एम.डी.एस. प्रोस्थोडॉन्टिक्स / दंत चिकित्सक), डॉ. योगेश पटेल (ऑप्टोमेट्रिस्ट), डॉ. गजेंद्र डहरवाल (आयुर्वेदिक चिकित्सक), डॉ. भूपेंद्र मिश्रा (होम्योपैथी एवं त्वचा रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ. नितिन कटरे (बी.एच.एम.एस.) ने लगभग 300 लोगों की जांच कर उचित परामर्श दिए। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन डॉ. के. के. चतुर्वेदी ने डॉक्टर के पेशे को मानवीय मूल्य स्थापित करने वाला बताया। निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में जांच के दौरान एक बच्चे के घुटने में चोट के कारण खून का थक्का जम गया था, जिसे निकालकर उस बच्चे को राहत प्रदान की गई। एक महिला जो एनीमिया से ग्रस्त थी, उसे निःशुल्क मल्टीविटामिन दिए गए। इसी प्रकार सैकड़ो मरीज का इलाज किया गया । श्री चतुर्वेदी ने बताया कि कोरोना काल में डॉक्टरों द्वारा निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा एवं बलिदान उन्हें सदैव स्मरणीय बनाए रखेंगे। डॉ. अंबर दवारे ने 45 वर्ष की आयु के बाद प्रत्येक 6 माह में महिला एवं पुरुष दोनों को स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। डॉ. केतकी अंबुलकर ने लोगों को 35 वर्ष की आयु के बाद बढ़ते मोटापे को नियंत्रित करने हेतु थोड़ा-थोड़ा 3-4 बार भोजन करने की सलाह दी। दिन में 3-4 लीटर पानी सभी के लिए अनिवार्य बताया ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो परिवार, समाज और देश की प्रगति होती है

महिलाएं ही परिवर्तन ला सकती है, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं ने बेबाकी से रखी बात

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

आज 8 मार्च, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, नारी शक्ति और उनकी उपलब्धियों को नमन करने का दिन है, जिले में अलग-अलग जगह पर आज महिला दिवस के कार्यक्रमो का आयोजन किया जाएगा। जिसमें महिलाओं के अधिकारों और उनकी प्रगति पर चर्चा की जाएगी लेकिन आज भी महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त नहीं बन सकी है, आज भी चार दिवारी में वह सताई और प्रताड़ति की जा रही है, महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने की बात कही जाती है लेकिन समाज में महिलाओं के साथ घट रही घटनाओ में क्या उन्हें बराबरी का दर्जा मिल पा रहा है, यह ना केवल सोचनीय बल्कि चिंतनीय भी है।

8 मार्च महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण का ना केवल उदाहरण बनी बल्कि महिलाओं को सशक्त करने में जुटी ऐसी ही कुछ महिलाओं ने बेबाकी से अपने विचार रखे।

सामाजिक सेवा से जुड़ी श्रीमती नमिता त्रिवेदी बताती है कि एक समय था, जब बेटियों में अत्याचार होते थे, मां यही चाहती थी की मेरी बेटी की स्थिति मेरे जैसी ना हो, लेकिन मुझे लगता है, वही स्लो पाईजन है,जो आज बढ़ चुका है। महिलाएं सोचती है कि मेरी बेटी जॉब करेगी तो किसी की मोहताज नहीं रहेगी।

मुझे लगता है, पढ़ाई आपके व्यवहार में दिखनी चाहिए। बाकी डिग्री तो मिल ही जाती है। लेकिन अब माता-पिता को ही अपनी सोच बदलनी होगी और यह काम महिला ही कर सकती है। क्योंकि पुरुष इतना ध्यान नहीं देते। महिलाएं ही परिवर्तन ला सकती हैं और हमें लाना ही होगा।

सामाजिक महिला श्रीमती काजल चावड़ा ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपनी बात रखते हुए बताया कि लड़कियों का पढ़ना "दिक्कत" नहीं है, बल्कि परिवार और समाज की ताकत है। शिक्षा उन्हें आत्मनिर्भर, समझदार और आत्मविश्वासी बनाती है। जहां तक शादी का सवाल है।आज की लड़कियां शादी से भाग नहीं रहीं, बल्कि सोच-समझकर निर्णय लेना चाहती हैं। यह प्रतियोगिता नहीं है कि लड़की-लड़के से आगे निकल जाए। असल में, जब दोनों पढ़े-लिखे और समझदार होते हैं, तो रिश्ता और मजबूत बनता है। माता-पिता के लिए सही रास्ता यह हो सकता है कि वह बेटियों को पढ़ाएं, लेकिन उन्हें पारिवारिक मूल्यों से भी जोड़कर रखें, उनसे खुलकर बात करें, उनकी सोच समझें। शादी को "मंजिल" नहीं, बल्कि जीवन का एक हिस्सा समझाएं। समाज के लिए सबसे सही रास्ता यह है कि महिला और पुरुष दोनों साथ-साथ चलें।

शिक्षाविद श्रीमती ममता तिवारी ने शैक्षणिक जीवन के अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि आज के समय में महिलाएं, पुरुषों से हर क्षेत्र में कदम बढ़ा रही है। आज के दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में बहुत आगे हैं, शिक्षा, सामाजिक कार्य, राजनीति और देशसेवा के साथ हर कार्य में, वह शिक्षित होते जा रही है। शिक्षा का स्तर काफी ऊपर हो गया है। वह पुरुषों के समान हर प्रकार के कार्य कर रही है। जो आज से कुछ दशकों पहले करती ही नहीं थी लेकिन अपने आप को पुरुषों से तुलना करना कुछ हद तक मैं उचित नहीं समझती हूं, पुरुषों का भी अपना स्वयं का परिवार में महत्वपूर्ण स्थान है। पुरुष बिना स्त्री अधूरी है। आज के समय में नई पीढ़ी नौकरी पेशा में पैकेज की दुनिया में जी रही है। अगर लड़के का पैकेज लड़की से कम है तो लड़की या तो शादी से इंकार कर रही है या शादी हो गई है काम पैकेज वाले लड़के को डोमिनेट किया जाता है जबकि हमें पुरुषों से आगे बढ़ने की होड़ के बजाय उनसे कंधे से कंधा मिलाकर चलना है। कई पुरुष यह सब नहीं चाहते हैं कि घर की महिलाएं इन कार्यों में इंवॉल्व रहे, पर स्त्री की जीत के आगे पुरुष हार सा जाता है। परिणाम आज पुरुषों की बराबरी की होड़ में कई परिवार बिखेर रहे हैं। शादियां टूट रही है। तलाक तो खेल सा हो गया है। आज पुरुष वर्ग शादी करने से डर रहा है। आज की स्त्रियां बच्चे होना तो पसंद ही नहीं कर रही है। क्या यही हमारी संस्कृति है, यही हमारी शिक्षा है हम पुरुषों से हर क्षेत्र में आगे आने के लिए अपना जीवन, अपना परिवार कहां ले जा रहे हैं। सोचिए हम महिलाएं हैं। घर संवार सकती हैं तो हम ही बिगाड़ भी सकती हैं। हमें बिगड़ना नहीं, संवारना है। अपनी लड़कियों को सही शिक्षा देना है। सहनशीलता सीखाना है। दो पैसे कम कमाओ पर पुरुषों को भी घर में सम्मान मिले, ऐसे विचार रखो। जब घर में पुरुष महिला दोनों कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे, एक दूसरे को समझते हुए आगे बढ़ेंगे, तो निश्चित ही हमारा समाज बढ़ती विदेशी संस्कृति से बच जाएगा और महिलाएं आगे भी बढ़ेगी।

सामाजिक महिला श्रीमती अर्चना चावड़ा ने बताया कि बेटियां शिक्षित हो लेकिन बेटियों की पढ़ाई समस्या नहीं बल्कि भविष्य में आने वाली परिस्थितियों के लिए, समाधान बने। महिलाओं को अपने सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों को कभी नहीं भूलना चाहिए। क्योंकि इन्हीं से सही मायने में नारीत्व का निर्माण होता है।

वात्सल्य आराधना ग्रुप की अध्यक्ष और समाजसेवी मीना चावड़ा ने बताया कि वैसे तो ईश्वर ने नारी को जन्मदात्री बनाकर श्रेष्ठ बनाया है। शास्त्रों में भी नारी को पूज्यनीय स्थान दिया गया है। लेकिन कुछ सामाजिक व्यवस्थाओं के कारण महिलाओं को चार दीवारों में रखा गया था पर आज देश में, समाज में, परिवार में समानता का अधिकार मिला है और वही सामाजिक व्यवस्थाओं के चलते शिक्षा के क्षेत्र में, व्यावसायिक क्षेत्र में, राजनीतिक क्षेत्र में, धार्मिक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पदों पर अपनी सेवा दे रही है। देश दुनिया में अपना स्वतंत्र परचम लहरा रही है।

परंतु वर्तमान में समाज में टूटते परिवार का वातावरण जो सुनने और देखने मिल रहा हैं, वह उचित नहीं है। सृष्टि रचयिता ने स्त्री और पुरुष दोनों को हर सामाजिक, धार्मिक, पारिवारिक, व्यवस्थाओं के लिए एक दूसरे का पूरक बनाया है। आज आधुनिकता के चलते महिलाओं में, पुरुषों से आगे बढ़ने की होड़ सी लगी है, वह स्वतंत्र रहना चाहती है। जिसके लिए वह, ना परिवार चाहती है, ना पति चाहती है। ना बच्चे चाहती है, लेकिन उसे ध्यान रखना होगा कि कुदरत से विरुद्ध जाकर हम अपना अस्तित्व नहीं बचा सकते। जीवन जीना केवल आर्थिक और आधुनिक व्यवस्था नहीं है। सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था है, उसे व्यवस्थित रखने का दायित्व महिलाओं का है। जीवन का मूल्य हम आधुनिकता और पैसों से नहीं चुका सकते। आगे बढ़ने के साथ-साथ अब हमें यह भी सोचना होगा कि पीछे कुछ छूट तो नहीं रहा।

बेहरई के दो जवान भारत माता की सेवा करने के लिए हुए रवाना

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

लालबर्रा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बेहरूई के दो जवान भारत माता की सेवा करने के लिए आज ट्रेनिंग के लिए रवाना हुए। विगत दिनों पहले ग्राम बेहररई से चार लड़कों का सीमा सुरक्षा बल में चयन हुआ था। जिसमें नितिन (भारत) पटले पिता नारायण पटले, समीर घोटीवार पिता शोभाराम घोटीवार, निशांत लिमझे पिता दिलीप लिमझे, दीपक पटले पिता मानिक पटले चारों लड़कों का सीमा सुरक्षा बल में चयन हुआ था। दो पहले ही ट्रेनिंग के लिए जा चुके हैं। और 7 मार्च को भारत पटले पिता नारायण पटले दिल्ली, निशांत लिमझे पिता दिलीप लिमझे हरियाणा ट्रेनिंग के लिए निकले। दोनों लड़को का तिलक लगाकर फूलों का हार पहनाकर स्वागत कर परिवार एवं ग्रामिणो ने विदा किया।

11 मार्च को खैरलांजी में निशुल्क नेत्र शिविर

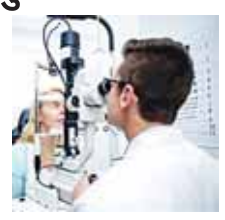

खैरलांजी। सामुदायिक शासकीय अस्पताल खैरलांजी में 11 मार्च बुधवार को एक दिवसीय निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में आंखो के मरीजो को नेत्र चिकित्सक डा.टी.एस.बिसेन के द्वारा निशुल्क जांच कर उचित परामर्श व उपचार प्रदान किया जाएगा एवं चयनित नेत्र रोगियो को मोतियाबिन्द आपरेशन के लिए जबलपुर रवाना किया जाएगा।

स्वास्थ्य कर्मियों से बदसलूकी का वीडियो वायरल होने के बाद थाने पहुंचा मामला

अस्पताल में गुंडागर्दी 4 युवकों पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज कटंगी। बालाघाट जिले की मार्यॅल नगरी तिरोड़ी के सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्य कर्मियों से बदसलूकी करने का मामला प्रकाश में आया था। यहां पर गांव के ही चार युवकों ने अस्पताल के भीतर गुंडागर्दी करते हुए यहां पदस्थ चिकित्सक और महिला स्वास्थ्य कर्मी के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है। इस पूरी घटना का एक सीसीटीवी फुटेज वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल है। जिसमें कुछ युवकों को महिला स्वास्थ्यकर्मी के साथ अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए देखा और सुना जा रहा है। युवकों पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक जो पूरी घटना में बीच-बचाव करने के लिए गए थे। उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया और उनकी कॉलर पकड़ ली। चिकित्सक और महिला स्वास्थ्यकर्मी ने अपने साथ हुई इस बदसलूकी की शिकायत तिरोड़ी थाने में दर्ज करवाई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया है। पूरी घटना 05 मार्च गुरुवार की है। यह घटना अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। 06 मार्च को पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले कुनाल निखारे, रोहित सहारे, गौरव नेवारे, आशीष निखारे सभी तिरोड़ी निवासियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 58 पंजीबद्ध कर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 132, 296 (बी), 3(5) की कार्रवाई की है।

तिरोड़ी में स्वास्थ्यकर्मियों के साथ हुई घटना का विकासखंड कटंगी के समूचे चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने पूरजोर तरीके से सांकेतिक विरोध किया है। उन्होंने घटना को अंजाम देने वाले युवकों पर शीघ्र और कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि वह दिन-रात पूरी ईमानदारी से अपने घर-परिवार से दूर रहकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। बावजूद इसके शराबी और शरारती तत्वों के द्वारा इस तरह से बदसलूकी की जाएगी तो उनका मनोबल कमजोर होगा। वहीं अगर ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में और भी इस तरह के मामले सामने आते ही रहेगें। गौरतलब हो कि इस तरह की घटनाएं पूर्व में भी सामने आई है। कटंगी अस्पताल में भी इस तरह की घटनाएं आए दिन होते ही रहती है। किंतु स्वास्थ्य कर्मी कानूनी उलझनों से बचने के लिए किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं करवाते। वहीं जिन लोगों की शिकायतें की जाती है वह अकसर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होते है ऐसे में कार्रवाई के बाद भी उनकी हरकतों में कोई सुधार नहीं आता। अस्पताल में स्वास्थ्य कर्मियों से बदसलूकी करने वाले लोग अकसर या तो शराबी होते है या राजनीतिक दलों से ताल्लुक रखने वाले छुटभैये नेता जो अपना रूआब जमाने के स्वास्थय कर्मियों से लिए उलझ जाते है। खैर, तिरोड़ी में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले युवकों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

राज्य स्तरीय लोक उत्सव में विश्व प्रसिध्द पर्यटन स्थल खजुराहों में शेख रफीक सम्मानित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा प्रदेश स्तर का लोकोत्सव का आयोजन विश्व प्रसिध्द पर्यटन स्थल खजुराहो किया गया जिसमे मध्यप्रदेश के समस्त जिलो से शासकीय एवं अशासकीय लोक कलाकारो की उपस्थित और प्रर्दशन किया गया जिसमे सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला बालाघाट से कलापथक दल के प्रभारी प्रमुख कलारार श्री शेख रफीक को नशामुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत लोकोत्सव का प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र (सम्मानपत्र) देकर नवाजा गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मादक पदार्थ एवं मादक द्रव्यों के व्यवसनो से बचाव एवं निदान पर शिक्षाप्रद एवं प्रेरणादायक सांस्कृतिक प्रस्तृत तथा लोक आंचलिक बोली भाषा मे गीत, नाटक, नृत्य गतिविधियों मे श्री शेख रफीक साहब ने भाग लेकर जिला बालाघाट को गौरन्वित किया है। जबलपुर संभाग के अंतर्गत नशामुक्ति भारत अभियान 2025-26 मे शासकीय कलापथक दल ने उत्कृष्ट प्रदेशन किया है।

पचामा दादर बॉक्साइट परियोजना की जनसुनवाई का ग्रामीणों ने किया बहिष्कार, क्षेत्रीय विधायक संजय उइके ने किया समर्थन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

पचामा दादर बॉक्साइट ब्लॉक में प्रस्तावित खनन को लेकर क्षेत्र में विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। शनिवार 7 मार्च 2026 को ग्राम पंचायत लूद में आयोजित जनसुनवाई का क्षेत्रीय ग्रामीणों और क्षेत्रीय विधायक श्री संजय उइके के साथ जनप्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से बहिष्कार कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उन्हें वनाधिकार मान्यता कानून 2006 के तहत वन संसाधनों पर अधिकार सुनिश्चित नहीं किया जाता,तब तक किसी भी प्रकार की खनन प्रक्रिया स्वीकार नहीं की जाएगी।इस मुद्दे को लेकर क्षेत्रीय जनता पहले से ही आंदोलनरत है।12 फरवरी 2026 को पचामा दादर बॉक्साइट ब्लॉक खनन कार्यवाही के विरोध में रेंज ऑफिस चौक उकवा में चक्काजाम कर जनआंदोलन किया गया था।आंदोलन के दबाव के बाद प्रशासन ने 18 फरवरी को ग्राम पंचायत लूद में प्रस्तावित जनसुनवाई को स्थगित कर 6 मार्च 2026 तक के लिए टाल दिया था।इसके बाद 7 मार्च को पुनः जनसुनवाई आयोजित की गई, जिसका ग्रामीणों ने एकजुट होकर बहिष्कार किया।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्रीय विधायक श्री संजय उइके भी लगातार इस मुद्दे को उठा रहे हैं और उन्होंने स्पष्ट कहा है कि जब तक क्षेत्रीय ग्राम सभाओं के वनाधिकार दावों का निराकरण नहीं होता,तब तक खनन जैसी बड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाना न्यायसंगत नहीं है।जिलाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट एवं विधायक विधान सभा बैहर श्री संजय उइके ने बयान देते हुए कहा कि आदिवासी और ग्रामीण समुदाय का जंगल,जल और जमीन से सीधा संबंध है।वनाधिकार मान्यता कानून 2006 के तहत ग्राम सभाओं को सामुदायिक वन संसाधन के अधिकार दिए जाने का प्रावधान है, इसलिए पहले ग्रामीणों के अधिकारों को सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में शासन ने ग्राम सभा की अनुमति लेना उचित नहीं समझी है।इस तरह से ग्राम सभा के अधिकार को दरकिनार करके काम किया जा रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि यदि बिना वनाधिकार के खनन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाता है तो यह आदिवासी और ग्रामीणों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। ग्रामीणों ने बताया कि सामुदायिक वन संसाधन अधिकार के लिए दावा फाइल करने की प्रक्रिया ग्राम सभा स्तर पर जारी है और इस संबंध में प्रशासन को भी सूचित किया जा चुका है।इसके बावजूद जनसुनवाई आयोजित करना ग्रामीणों के अधिकारों की अनदेखी है।

क्षेत्रीय ग्रामीणों और क्षेत्रीय विधायक श्री संजय उइके के साथ जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि जब तक वनाधिकार कानून के तहत अधिकारों की मान्यता नहीं मिलती,ग्राम सभा की अनुमति नहीं मिलती तब तक वे किसी भी जनसुनवाई या खनन प्रक्रिया में भाग नहीं लेंगे।इसी कारण 7 मार्च को आयोजित जनसुनवाई में क्षेत्रीय जनता शामिल नहीं हुई और उसका पूर्ण बहिष्कार किया गया।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन द्वारा ग्राम सभा की अनुमति के बिना व वनाधिकार के दावों का निराकरण किए बिना खनन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया तो क्षेत्रीय जनता बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।उनका कहना है कि यह केवल जमीन का मुद्दा नहीं बल्कि जंगल,जल और जमीन से जुड़े उनके पारंपरिक अधिकारों और भविष्य का प्रश्न है।शासन प्रशासन की पूरी टीम को बिना जनसुनवाई के वापस लौटना पड़ा।आज जनसुनवाई के संपूर्ण बहिष्कार में क्षेत्रीय ग्रामीणों के साथ क्षेत्रीय विधायक श्री संजय उइके, मंशाराम मंडावी जिला पंचायत सदस्य बालाघाट,द्रोपकिशोर मेरावी विधायक प्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता बिरसा,संतोष बिसेन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बैहर,बलवंत धुर्वे,ईश्वर खुसरे,मेमराज उइके उपसरपंच लुद, संजय मेरावी,नंदकिशोर तिलगाम सहित समस्त ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पहले आओ-पहले पाओ का दावा निकला झूठा

जनपद ने जारी की 200 जोड़ों की सूची

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

जनपद पंचायत कटंगी ने मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह योजना के लिए चयनित 200 जोड़ों (वर-वधु) की सूची जारी कर दी है। इस सूची के जारी होते ही इस योजना का लाभ लेने के लिए पहले आओ-पहले पाओ का जो दावा किया जा रहा था। वह दावा पूरी तरह से झूठा साबित हो गया है। इस सूची को देखने के बाद जिन आवेदकों ने दिन भर धूप में कतार में खड़े रहकर अपना आवेदन जमा करवाया था और उसके बाद भी सूची में नाम नहीं आया ऐसे आवेदकों में भयंकर आक्रोश दिखाई दिया। यह आवेदक शनिवार को अलग-अलग वक्त पर जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचे और अधिकारी समेत कर्मचारी से नाम नहीं आने पर सवाल करने लगे किंतु आवेदकों को संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया। आवेदकों को यह बताया जा रहा है बीपीएल सत्यापन नहीं होने की वजह से उनके आवेदन फार्म निरस्त किए गए। इधर, आवेदकों का कहना है कि अगर बीपीएल सत्यापन नहीं था तो अब तक आवेदकों को जानकारी क्यों नहीं दी गई जबकि एक माह पूर्व 09 फरवरी को ही 09 मार्च को तिरोड़ी में होने वाले सामुहिक विवाह समारोह के लिए आवेदन लिए गए थे और जब 200 आवेदन ही लिए गए तो फिर कई फार्म निरस्त होने के बाद भी 200 जोड़ों की सूची कैसे हो गई। इस सूची के जारी होने के बाद कई आवेदक कथित तौर पर सांठ-गांठ कर आवेदकों के फार्म निरस्त करने और नए फार्म को शामिल करने का आरोप भी लगा रहे है। खैर, इन आरोपों के बीच उन गरीब कन्याओं के अभिभावक चिंतित हो उठे है जिन्होंने सामूहिक विवाह समारोह में अपनी बेटी की शादी की उम्मीद बांधकर विवाह समारोह के कार्ड भी बांट दिए और उनका नाम अब सूची में नहीं है। दरअसल, यहां पर जनपद पंचायत के जिम्मेदारों की लापरवाही की वजह से यह स्थिति निर्मित हुई है यही प्रतीत हो रहा है। हमने जब सीईओ से चर्चा की तो वह पूरे मामले को अपने मातहत कर्मचारियों पर डालते हुए नजर आए।

ज्ञात रहे कि जनपद पंचायत कटंगी कार्यालय में 09 फरवरी को जब आवेदकों से सामूहिक विवाह समारोह के आवेदन फार्म लिये जा रहे थे तब कर्मचारियों ने बड़ी बारिकी से फार्म की जांच की थी। वहीं 200 आवेदन जमा होते ही आवेदन लेने की प्रक्रिया को बंद कर दिया गया था। उस दिन करीब 2 सौ से भी अधिक आवेदक जिनके आवेदन जमा नहीं हो पाए थे वह निराश होकर अपने घर वापस चले गए थे। ऐसे में कुछ आवेदकों ने विधायक गौरव सिंह पारधी को इससे अवगत करवाया और विधायक ने आवेदकों को यह भरोसा दिया कि 23 मार्च को जनपद पंचायत में दूसरा सामूहिक विवाह समारोह करवाया जाएगा। जिसके लिए वह प्रयासशील है। विधायक ने सीईओ से 23 मार्च की तिथि में सामूहिक विवाह समारोह के लिए आवेदकों ने आवेदन लेने के लिए कहा और जनपद पंचायत में फिर एक बार आवेदकों ने आवेदन किए। इन आवेदकों को साफ तौर पर बताया गया कि अभी केवल आवेदन लिए जा रहे है। सामूहिक विवाह की तिथि निश्चित नहीं है। लेकिन शुक्रवार 06 मार्च को जब 09 मार्च को होने वाले सामूहिक विवाह समारोह के वर-वधू की सूची जारी की गई तो कई आवेदन निरस्त होने के बाद भी 200 की सूची पूर्ण कर ली। जिससे यह बात साबित हो रही है कि कुछ आवेदकों के आवेदन 200 आवेदन पूर्ण होने के बाद भी लिए गए और जिनके आवेदन में कोई भी त्रुटि थी उन्हें सुधार का मौका देने की बजाए जिनसे आवेदन लिए गए उन्हें फायदा पहुंचाया गया है। यह मामला जांच का है परंतु यहां ना तो जांच करने वाले और ना ही जांच की मांग उठाने वाले नेता है। जनपद में चली इस सांठ-गांठ से शर्मसार उस पिता को होना पड़ेगा जिसने अपनी बेटी की शादी के कार्ड बांट दिए और अपने रिश्तेदारों को सामूहिक विवाह समारोह में आमंत्रित कर लिया।

इनका कहना है-

मुझे जानकारी मिली है कि जिन आवेदकों के बीपीएल सत्यापन नहीं था ऐसे आवेदन निरस्त कर लिए गए है। 200 नाम की सूची के संबंध में जिनके पास इसकी जिम्मेदारी थी वहीं बता पाएगे।

गायत्री कुमार सारथी
मुख्य कार्यपालन अधिकारी